# सही समय पर पहचान हो जाए तो कैंसर लाइलाज नहीं

## बिहार और ओडिशा में अस्पताल खोलेगी मेडिका

**सिलीगुड़ी :** सिर व गला, गर्भाशय और स्तन कैंसर की अगर प्रारंभिक अवस्था में ही पहचान हो जाए तो उससे पीड़ित 80 प्रतिशत मरीज ठीक हो जाते हैं। रोग की जल्दी पहचान और उपचार में नियमित कैंसर स्क्रीनिंग बेहद मददगार साबित हो सकती है। मेडिका कैंसर अस्पताल, उत्तर बंगाल में कैंसर की पहचान और उपचार के लिए समर्पित हेल्थकेयर संस्थान हैं। उत्तर बंगाल और आस-पास के क्षेत्र में इस कमी को दूर करने के लिए, संस्थान समुदाय आधारित कैंसर स्क्रीनिंग शिविरों की शुरुआत करने जा रही है।

अत्याधुनिक हेल्थकेयर सुविधाओं से युक्त, मेडिका कैंसर अस्पताल (पूर्व से इसे नार्थ बंगाल ऑन्कोलॉजी सेंटर के तौर पर जाना जाता था), सिलीगुड़ी से महज 14 किलोमीटर दूरी पर मेडिका कैंसर अस्पताल स्थित है। अस्पताल, कैंसर की पहचान और इलाज के लिए जरूरी सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, मेडिकल ऑन्कोलॉजी के साथ-साथ पैलीएटिव केयर जैसी अत्याधुनिक सुविधाओं से पूरी तरह सुसज्जित है। सीटी स्कैन और अल्ट्रासोनोग्राफी सरीखी इमेजिंग सुविधाओं सहित ये तमाम सुविधाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध हैं।

अस्पताल के प्रबंधन की बागडोर, कोलकाता के प्रतिष्ठित अस्पताल समूह, मेडिका हॉस्पिटल्स के हाथों में है, जिसका संचालन हेल्थकेयर विशेषज्ञों का एक ऐसा समूह करता है, जिसे सुपरस्पेशलिटी और मल्टी-स्पेशलिटी अस्पताल चलाने में महारत हासिल है। समूह के अस्पताल कोलकाता, सिलीगुड़ी, जमशेदपुर, रांची व तिनसुकिया (असम) में सेवाएं दे रहे हैं। जल्द ही बिहार व ओडिशा में अस्पताल शुरू किये जाएंगे। कम कीमत में गुणवत्तापूर्ण देखभाल की मिसाल पेश कर चुका मेडिका अस्पताल समूह समूचे पूर्वी क्षेत्र में विश्वस्तरीय हेल्थकेयर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

मेडिका कैंसर अस्पताल का उद्देश्य है कि कैंसर स्क्रीनिंग कार्यक्रमों और निःशुल्क शिविरों के जरिये क्षेत्र के ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाना है। ताकि रोग की जल्द से जल्द पहचान कर उन्हें कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी से मुक्त कराया जा सके।

सिलीगुड़ी और आसपास रहने वाले कैंसर संभावित अथवा पीड़ित मरीजों को अस्पताल लाने-ले जाने के लिए अस्पताल एंबुलेंस सुविधा प्रदान करेगा, ताकि तत्काल उनका इलाज शुरू किया जा सके।